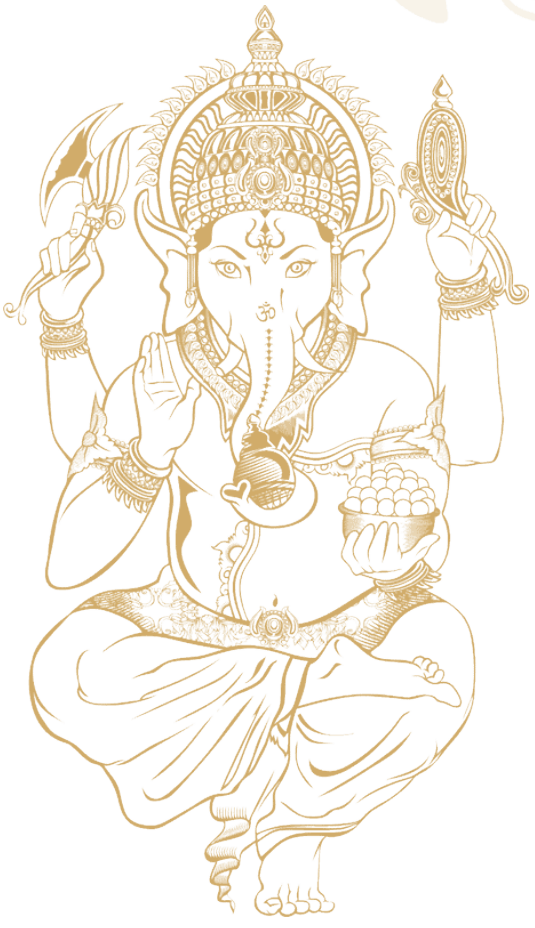

umang

20 Jan 2002

02:20 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120964703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/01/2002**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:20:00 घंटे**
इष्ट	48:24:39 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:11:16 घंटे
वेलान्तर	-00:10:39 घंटे
साम्पातिक काल	10:07:34 घंटे
सूर्योदय	06:58:08 घंटे
सूर्यास्त	17:40:55 घंटे
दिनमान	10:42:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:43:43 मकर
लग्न के अंश	00:34:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:34:17	310:28:18	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			मक	05:43:43	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	15:08:43	11:53:29	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	06:47:06	00:43:43	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध	व		मक	20:30:26	00:11:35	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	14:20:29	00:07:04	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	07:00:58	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:29:36	00:02:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	02:42:56	00:02:56	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:42:56	00:02:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:31:52	00:03:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:15:00	00:02:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:47:00	00:01:49	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	05:54:21	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:53

लग्न-चलित

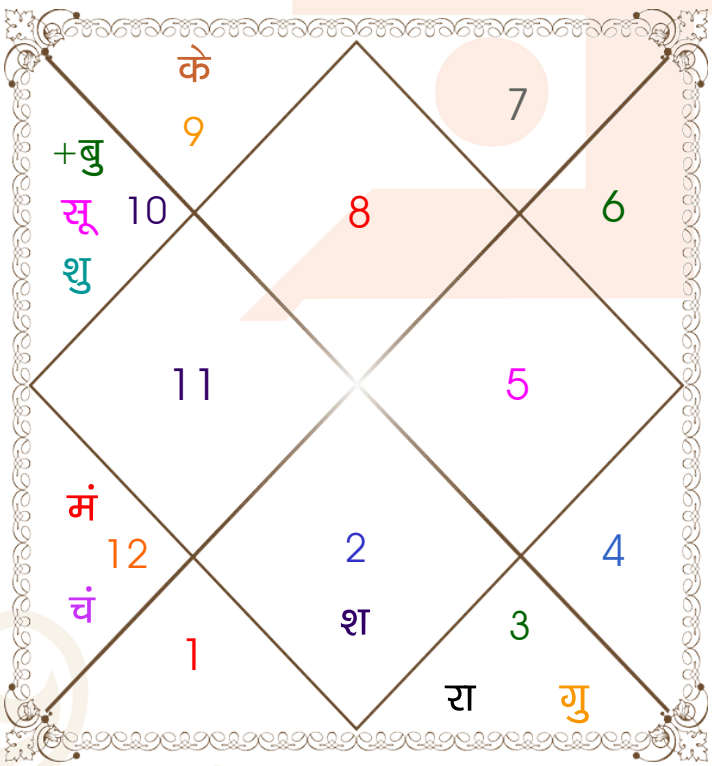

चन्द्र कुंडली

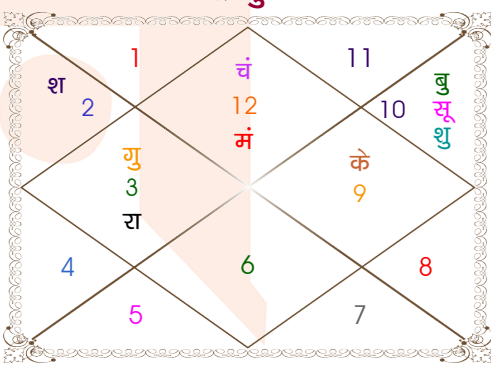

नवमांश कुंडली

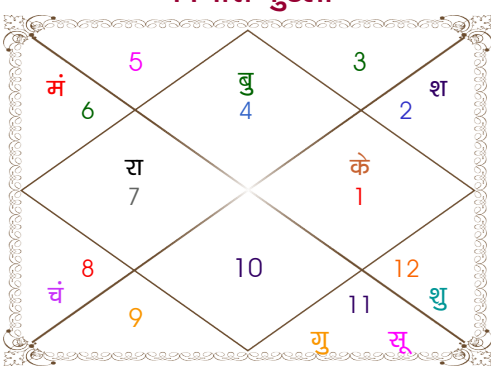

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 2 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/01/2002		21/03/2004		22/03/2021		21/03/2028		21/03/2048	
21/03/2004		22/03/2021		21/03/2028		21/03/2048		22/03/2054	
	00/00/0000	बुध	18/08/2006	केतु	18/08/2021	शुक्र	22/07/2031	सूर्य	09/07/2048
	00/00/0000	केतु	15/08/2007	शुक्र	18/10/2022	सूर्य	21/07/2032	चंद्र	08/01/2049
	00/00/0000	शुक्र	15/06/2010	सूर्य	23/02/2023	चंद्र	22/03/2034	मंगल	15/05/2049
	00/00/0000	सूर्य	22/04/2011	चंद्र	24/09/2023	मंगल	22/05/2035	राहु	09/04/2050
	00/00/0000	चंद्र	20/09/2012	मंगल	20/02/2024	राहु	22/05/2038	गुरु	26/01/2051
	00/00/0000	मंगल	17/09/2013	राहु	10/03/2025	गुरु	20/01/2041	शनि	08/01/2052
	00/00/0000	राहु	06/04/2016	गुरु	13/02/2026	शनि	21/03/2044	बुध	14/11/2052
	20/01/2002	गुरु	13/07/2018	शनि	25/03/2027	बुध	20/01/2047	केतु	22/03/2053
गुरु	21/03/2004	शनि	22/03/2021	बुध	21/03/2028	केतु	21/03/2048	शुक्र	22/03/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/03/2054		21/03/2064		22/03/2071		22/03/2089		23/03/2105	
21/03/2064		22/03/2071		22/03/2089		23/03/2105		21/01/2122	
चंद्र	20/01/2055	मंगल	18/08/2064	राहु	02/12/2073	गुरु	10/05/2091	शनि	25/03/2108
मंगल	21/08/2055	राहु	05/09/2065	गुरु	27/04/2076	शनि	20/11/2093	बुध	04/12/2110
राहु	19/02/2057	गुरु	12/08/2066	शनि	04/03/2079	बुध	26/02/2096	केतु	12/01/2112
गुरु	21/06/2058	शनि	21/09/2067	बुध	20/09/2081	केतु	01/02/2097	शुक्र	14/03/2115
शनि	21/01/2060	बुध	17/09/2068	केतु	09/10/2082	शुक्र	03/10/2099	सूर्य	24/02/2116
बुध	21/06/2061	केतु	13/02/2069	शुक्र	09/10/2085	सूर्य	22/07/2100	चंद्र	24/09/2117
केतु	20/01/2062	शुक्र	15/04/2070	सूर्य	02/09/2086	चंद्र	21/11/2101	मंगल	03/11/2118
शुक्र	21/09/2063	सूर्य	21/08/2070	चंद्र	03/03/2088	मंगल	28/10/2102	राहु	09/09/2121
सूर्य	21/03/2064	चंद्र	22/03/2071	मंगल	22/03/2089	राहु	23/03/2105	गुरु	21/01/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।